- संविधान कहता है जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद और पंथवाद खत्म करो, का
क्षेत्र पंथ के आधार पर वोट मांगना अपराध है। भ्रष्ट लोगों ने जाति भाषा क्षेत्र
राजनीतिक पार्टी बना लिया है फिर भी हमारे नेता अभिनेता लेखक बुद्धिजीवी
—अश्विनी उपाध

हर विश्वविद्यालय करे एक शोध : राज्यपाल

देहरादून (एसएनबी)। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को वन यूनिवर्सिटी वन रिसर्च के तहत अनिवार्य रूप से शोध करना होगा। राज्यपाल लेज (सेनि) गुरमीत सिंह (सेनि) ने इसके निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अपनी विशेषज्ञता के आधार पर एक-एक शोध करें। विश्वविद्यालय एक वर्ष तक गहन शोध के माध्यम से रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जो राज्य के सामाजिक व आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

शोध विषय का चयन विवि अपनी विशेषज्ञता के अनुसार करेंगे। राज्यपाल ने राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली।

राज्यपाल लेज. (सेनि) गुरमीत सिंह ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध के आधार पर तैयार दस्तावेज को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए सरकार से साझा किया जाएगा। बैठक में सभी कुलपतियों ने शोध किये जाने वाले विषयों पर प्रस्तुतिकरण दिए।

राज्यपाल ने कहा कि कुलपति डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए विश्वविद्यालयों में जवाबदेही व पारदर्शिता सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों को अच्छे संस्थानों में चयनित करने के विशेष प्रयास किये जाएं, इसके लिए शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन, सचिव डा. पंकज कुमार पांडेय, चंद्रेश कुमार यादव, दीपेंद्र चौधरी, विधि परामर्शी राज्यपाल अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, डा. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डा. विजय जोगदंडे, नमामि बंसल सहित राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विवि के डा. ओपीएस नेगी, कुलपति श्रीदेव सुमन विवि प्रो. एनके जोशी, कुलपति जीबीपंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि डा. मनमोहन चौहान, कुलपति आयुर्वेदिक विवि प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, कुलपति उत्तराखंड संस्कृत विवि प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, कुलपति चिकित्सा शिक्षा विवि प्रो. हेमचन्द्र, कुलपति कुमाऊं विवि दीवान सिंह रावत, कुलपति दून विवि प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति औद्यानिकी एवं वानिकी विवि डा. परविंदर कौशल व कुलपति सोबन सिंह जीना विवि प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

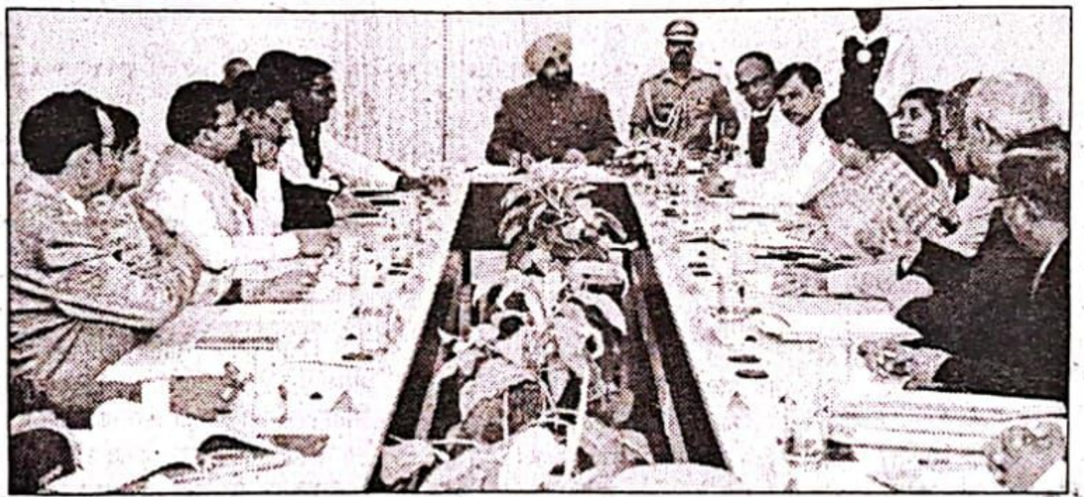
राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेते राज्यपाल।

बेस्ट टीचर व बेस्ट रिसर्चर्स अवार्ड होंगे शुरू

विश्वविद्यालयों में शिक्षकों व शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट टीचर व बेस्ट रिसर्चर्स अवार्ड शुरू किये जाएंगे। राज्यपाल ने इसके निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षक व शोधार्थी प्रेरित होंगे और अधिक ऊर्जा के साथ काम करेंगे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में ई-लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश भी कुलपतियों को दिएं।

यूटीयू की ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ

राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ भी किया। इस ई-लाइब्रेरी में 7.24 लाख पाठ्यसामग्री उपलब्ध हैं। एक हजार से अधिक विश्वविद्यालयों के ई-शोध पत्र, एक लाख से अधिक वीडियो व 19 हजार से अधिक ई-बुक्स इसमें उपलब्ध रहेंगी। यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने विश्वविद्यालय की ओर से दी जाने वाली अंक तालिका व उपाधियों में सुरक्षा विशेषता संबधी प्रस्तुतिकरण दिया। बताया कि छात्रों को दी जाने वाले उपाधि व अंक तालिकाओं में 25 सुरक्षा विशेषता हैं जो डुप्लीकेसी की संभावना को खत्म करेगी, इसकी शुरुआत विश्वविद्यालय ने कर दी है।

वर्गीकृत विज्ञापन